पाठ्यक्रम

बी.ए. (पास/सब्सिडीएरी) हिन्दी

(प्राइवेट fo|kfFkZ;ksa के लिए)

(2014 — 2015)

हिन्दी विभाग
मानविकी एवं भाषा संकाय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया
नई दिल्ली-110025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया : परिचय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की स्थापना 1920 में अलीगढ़ में हुई थी। यह समय भारत के इतिहास में स्वतंत्रता आंदोलन का था। गांधी जी ने अंग्रेजी सरकार }kj{k चलाए जा रहे शिक्षा संस्थानों का यह कह कर विरोध किया था कि ये राष्ट्रहित के विरोध में काम करते हैं। ख़िलाफ़त तथा असहयोग आंदोलन इसी उद्देश्य के तहत आरंभ किए गए थे। जिन महान लोगों ने गांधी जी की इस आवाज़ पर इन आंदोलनों में भाग लिया उनमें शैख़ुलहिन्द मौलाना महमूद हसन, मौलाना मोहम्मद अली, हकीम अजमल ख़ां, डॉ. मुख़्तार अहमद अंसारी, अब्दुल मजीद ख़्वाजा तथा डॉ. ज़ाकिर हुसैन प्रमुख थे। इन लोगों ने न केवल जामिया मिल्लिया इस्लामिया की स्थापना की, बल्कि इस चमन को अपने ख़ून-पसीने से सींच कर आबाद भी किया।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया 1925 में अलीगढ़ से दिल्ली स्थानांतरित हो गई। तब से लेकर आज तक जामिया दिन दूनी रात चौगुनी तरक़्क़ी कर रही है तथा समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को ढालने में सक्षम रही है। अपने संस्थापकों के सपनों को साकार करते हुए जामिया अपने छात्रों के सर्वांगीण विकास की दिशा में प्रयासरत है।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के संस्थापकों का सदैव इस बात पर बल रहा है कि शिक्षा की पारम्परिक जड़ों को मज़बूत किया जाए। जामिया ने इस का हमेशा प्रयास किया है कि छात्रों में देश के इतिहास, उसकी संस्कृति तथा इस्लाम के इतिहास की बेहतर समझ पैदा हो। इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर जामिया में

इस्लाम की शिक्षा के साथ-साथ हिन्दू धर्मशास्त्र तथा भारतीय धर्म और संस्कृति जैसे विषयों की शिक्षा का प्रावधान किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में अभिनव प्रयोग करते हुए जामिया के संस्थापकों ने यहाँ के शैक्षणिक कार्यक्रमों तथा पाठ्यक्रम सम्बंधी गतिविधियों में राष्ट्रीय तथा सार्वभौमिक आयाम जोड़े। इस बात का सदैव ध्यान रखा गया कि जामिया के छात्रों को मूल्य-आधारित शिक्षा दी जाए और उन्हें बेहतर नागरिक बनाने की दिशा में कार्य किया जाए। जामिया के छात्र व्यक्तिगत रुचि के पाठ्यक्रमों को पढ़ते हुए भी सामाजिक उत्तरदायित्व के बोध से वंचित न हों। दूसरे विश्वविद्यालयों की तरह जामिया ने भी तकनीकी शिक्षा, इंजीनियरिंग, कॉमर्स, फ़ाइन vkV~ l, जनसंचार, सूचना तकनीक तथा विस्तार शिक्षा के क्षेत्र में काफी प्रगति की है। यहाँ एकेडमिक स्टाफ कॉलेज तथा थर्ड वर्ल्ड स्टडीज़ की भी स्थापना की गई है।

जामिया में शिक्षा का माध्यम मुख्य रूप से उर्दू, हिन्दी तथा अंग्रेज़ी है। यहाँ शिक्षा का उद्देश्य उच्च ज्ञान के स्रोत को ज्ञान के दूसरे क्षेत्रों के साथ जोड़ना है। विश्वविद्यालय अपने छात्रों तथा शिक्षकों को शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने की सदैव कोशिश करता है। कुछ प्रमुख बातें इस प्रकार हैं:

(क) शिक्षा में नवीनता लाने के उद्देश्य से समय-समय पर पाठ्यक्रमों में फेरबदल। पढ़ाने के नये-नये तरीक़े तथा व्यक्तित्व विकास पर विशेष बल।
(ख) विभिन्न अनुशासनों में शिक्षा।
(ग) अन्तर-अनुशासनात्मक अध्ययन।
(घ) राष्ट्रीय एकता, धर्म निरपेक्षता तथा अंतर्राष्ट्रीय समझ।

हिन्दी विभाग : संक्षिप्त परिचय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में हिन्दी का पठन-पाठन विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही आरंभ हो गया था। जामिया के संस्थापकों ने हिन्दी भाषा के शिक्षण को यथोचित महत्व दिया। एक लंबे समय तक यहाँ स्नातक स्तर पर ही हिन्दी भाषा एवं साहित्य का अध्ययन-अध्यापन होता रहा। केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनने से कुछ वर्ष पूर्व 1983 में यहाँ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया। एम. ए. के पाठ्यक्रम में शुरू से ही जनसंचार तथा रचनात्मक लेखन को महत्व दिया गया और रचनात्मक लेखन एवं पत्रकारिता को वैकल्पिक प्रश्न पत्र के रूप में पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया। देश के किसी भी विश्वविद्यालय में इस प्रकार का यह पहला पाठ्यक्रम था। सन् 1994 में विभाग में जनसंचारपरक लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आरंभ किया गया। इसकी सफलता को देखते हुए सन् 2001 में हिन्दी विभाग में टी. वी. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा शुरू किया गया। सम्प्रति हिन्दी विभाग में इन दोनों डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के अलावा बी. ए. ऑनर्स मास मीडिया (हिन्दी), एम. ए. और एम. फिल् का अध्ययनअध्यापन हो रहा है। सन् 1985 से निरंतर यहाँ शोध-कार्य (पीएच. डी.) भी हो रहा है। विभाग साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन सम्बंधी शोध कार्यों को प्रोत्साहन देता है। हिन्दी विभाग में जामिया का एक अनिवार्य पाठ्यक्रम 'हिन्दू धर्म शास्त्र' भी पढ़ाने की व्यवस्था है।

विभाग के अनेक सदस्य विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किए गए हैं तथा विदेशों में भी हिन्दी अध्यापन का कार्य कर चुके हैं।

विभागीय सदस्य

1. प्रो. दुर्गा प्रसाद गुप्त (अध्यक्ष), एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)
2. प्रो. महेन्द्रपाल शर्मा, एम.ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)
3. प्रो. हेमलता महिश्वर, एम.ए., बी. एड., एम.फिल्., पीएच. डी. (गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, विलासपुर)
4. डॉ. कृष्ण कुमार कौशिक, एम.ए., एम.फिल्., पीएच. डी. (दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
5. डॉ. अनिल कुमार, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़)
6. डॉ. इन्दु वीरेन्द्रा, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी.(जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
7. डॉ. चन्द्रदेव सिंह यादव, एम.ए., पीएच. डी. (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
8. डॉ. नीरज कुमार, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी.(दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
9. डॉ. कहकशां एहसान साद, एम.ए., पीएच. डी. (अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़)
10. डॉ. विवेक दुबे, एम.ए., पीएच. डी. (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
11. डॉ. दिलीप कुमार शाक्य, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी.(जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

12. डॉ. अब्दुर्रहमान मुसव्विर, एम. ए., एम. एड., एम. फिल्., पीएच. डी., पी.जी. डिप्लोमा मास मीडिया (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
13. डॉ. मुकेश कुमार मिरोठा, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
14. डॉ. अजय कुमार नावरिया, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

बी. ए. हिन्दी (पास/सब्सिडीएरी) वार्षिक पाठ्यक्रम

(प्राइवेट fo|;kfFkZ;ksa के लिए)

अनुक्रम i"B la[;k

प्रथम वर्ष

पाठ्यक्रम 1 भाषा, साहित्येतिहास और काव्यशास्त्र 11

द्वितीय वर्ष

पाठ्यक्रम 2 मध्य-युगीन काव्य 15

पाठ्यक्रम 3 कथा साहित्य 18

तृतीय वर्ष

पाठ्यक्रम 4 आधुनिक कविता 23

पाठ्यक्रम 5 कथेतर गद्य विधाएं 26

बी. ए. हिन्दी (पास/सब्सिडीएरी)
प्रथम वर्ष

पाठ्यक्रम 1 भाषा, साहित्येतिहास और काव्यशास्त्र पूर्णांक-100

इकाई-1 **हिन्दी भाषा का विकास**

प्रारम्भिक हिन्दी

अवधी और ब्रजभाषा का काव्य-भाषा के रूप में विकास

खड़ी बोली

हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी

इकाई-2 **आदिकाल**

काल-निर्धारण, नामकरण एवं आदिकालीन काव्य

इकाई-3 **मध्यकाल**

संत काव्य, सूफी काव्य, रामभक्ति काव्यधारा, कृष्णभक्ति काव्यधारा, रीति काव्य

इकाई-4 **आधुनिक युग**

आधुनिक कविता का विकास

खड़ी बोली गद्य का विकास

गद्य की नवीन विधाएं : परिचय

इकाई-5 **काव्य-शास्त्र**

शब्द शक्ति - अभिधा, लक्षणा, व्यंजना

रस (सभी)

मात्रिक छंद - दोहा, सोरठा, चौपाई, रोला

वर्णिक छंद - मालिनी, शिखरिणी, कवित्त, सवैया

अलंकार : शब्दालंकार- अनुप्रास, यमक, श्लेष

अर्थालंकार - उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, संदेह, अतिशयोक्ति

अनुमोदित ग्रंथ

1.	हिन्दी भाषा	हरदेव बाहरी
2.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
3.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	संपादक : डॉ. नगेन्द्र
4.	काव्यांग	डॉ. देवेन्द्र त्यागी

बी. ए. हिन्दी (पास/सब्सिडीएरी)

f}rh; o"kZ

पाठ्यक्रम 2 मध्ययुगीन काव्य पूर्णांक 100

इकाई 1 पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों के पाठ में से किन्हीं तीन काव्यांशों की व्याख्या अपेक्षित

निर्धारित कवि

1. **कबीरदास**

   पद संख्याः 3, 7, 8, 32, 37, 173, 187, 200

   साखी संख्याः सतगुर महिमा- 6 एवं 9, प्रेम बिरह कौ अंग- 4, 14

   पिउ पहिचानिबे कौ अंग- 1, 9; परचा कौ अंग- 1, 2

   (कबीर ग्रन्थावली: सं. पारसनाथ तिवारी)

2. **मलिक मोहम्मद जायसी**

   मानसरोदक खंड

   (जायसी ग्रन्थावली (पद्मावत), सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)

3. **सूरदास**

   पद संख्याः 13, 18, 24, 31, 34, 42, 52, 62, 64, 75, 111, 210

   (भ्रमर गीत सार, सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)

4. तुलसीदास

रामचरित मानस (बाल काण्ड), छंद संख्याः 229 से 238 तक।

5. बिहारी

दोहा संख्याः 1, 25, 32, 38, 41, 52,73, 94, 103, 121, 127, 141, 151, 154, 171, 191, 207, 322, 363, 411

(बिहारी रत्नाकर, सं. जगन्नाथदास 'रत्नाकर')

6. घनानंद

छंद संख्याः 8, 13, 14, 15, 41, 43, 66, 69, 82, 84

(घनआनंद कवित्त, सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)

इकाई 2 **भक्ति काव्य की पृष्ठभूमि**

भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य

रीतिकाव्य की भूमिका

रीतिकाव्य का स्वरूप

इकाई 3 **कबीर और जायसी की काव्यगत विशेषताएं**

समाज सुधार

साधना पद्धति

भाषा

इकाई 4 **सूरदास और तुलसीदास की काव्यगत विशेषताएं**

भक्ति का स्वरूप

प्रेम और वात्सल्य

समन्वय

भाषा

इकाई 5 **रहीम और घनानंद की काव्यगत विशेषताएं**

रीति, श्रृंगार, प्रेम, विरह

अनुमोदित ग्रंथ

1.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2.	हिन्दी साहित्य की भूमिका	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3.	त्रिवेणी	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
4.	बिहारी : नया मूल्यांकन	डॉ. बच्चन सिंह
5.	कबीर की विचारधारा	डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
6.	घनानंद का काव्य	रामदेव शुक्ल

पाठ्यक्रम 3 कथा साहित्य पूर्णांक - 100

इकाई-1 **हिन्दी कहानी का विकास**

प्रारंभिक कहानियाँ

प्रेमचंद युग, प्रेमचंदोत्तर युग

नई कहानी

साठोत्तरी कहानी

समकालीन कहानी

इकाई-2 इस इकाई के अन्तर्गत पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों की अंतर्वस्तु, केन्द्रीय समस्या, विचारधारा और शिल्प संबंधी समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

निर्धारित कहानियाँ :

1. उसने कहा था	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
2. ईदगाह	प्रेमचंद
3. पुरस्कार	जयशंकर प्रसाद
4. करवा का व्रत	यशपाल
5. आर्द्रा	मोहन राकेश
6. वापसी	उषा प्रियंवदा

(कहानी विविधा / संकलनः डॉ. देवीशंकर अवस्थी)

इकाई-3 **हिन्दी उपन्यास का विकास**

प्रारंभिक उपन्यास, प्रेमचन्दयुगीन उपन्यास, प्रेमचन्दोत्तर उपन्यास, स्वातंत्र्योत्तर उपन्यास, साठोत्तरी उपन्यास, समकालीन उपन्यास।

इकाई-4 **निर्धारित उपन्यास-1**

कर्मभूमि	प्रेमचंद

इकाई-5 **निर्धारित उपन्यास-2**

गंगा मैया	भैरवप्रसाद गुप्त

इकाई संख्या चार और पाँच में निर्धारित उपन्यासों के संबंध में समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे : अंतर्वस्तु, केन्द्रीय समस्या, चारित्रिक विकास, विचारधारा, शिल्प।

अनुमोदित ग्रंथ

1. कहानी नयी कहानी	नामवर सिंह
2. हिन्दी कहानी की रचना प्रक्रिया	परमानंद श्रीवास्तव
3. हिन्दी कहानी पाठ और प्रक्रिया	सुरेन्द्र चौधरी
4. हिन्दी कहानी का विकास	मधुरेश
5. कहानीः स्वरूप और संवेदना	राजेन्द्र यादव
6. हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान	रामदरश मिश्र
7. उपन्यास का उदय	आयन वॉट
8. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा	रामदरश मिश्र
9. हिन्दी उपन्यास : पहचान और परख	इंद्रनाथ मदान

10. हिन्दी उपन्यास : 1950 के बाद	सं. निर्मला जैन
11. उपन्यास और लोकजीवन	राल्फ फॉक्स
12. हिन्दी उपन्यास का विकास	मधुरेश
13. उपन्यास का पुनर्जन्म	परमानंद श्रीवास्तव
14. हिन्दी उपन्यास स्थिति और गति	चंद्रकांत वांदिवड़ेकर
15. आधुनिक हिन्दी उपन्यास	सं. नामवर सिंह
16. हिन्दी उपन्यास का इतिहास	गोपाल राय

बी. ए. हिन्दी (पास/सब्सिडीएरी)
तृतीय वर्ष

पाठ्यक्रम 4 आधुनिक कविता पूर्णांक- 100

इकाई 1 पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों के पाठ में से किन्हीं तीन काव्यांशों की व्याख्या अपेक्षित।

निर्धारित कविः

1. **मैथिलीशरण गुप्त**
   कुब्जा ('द्वापर' से)
2. **रामनरेश त्रिपाठी**
   विधवा का दर्पण, अन्वेषण
3. **जयशंकर प्रसाद**
   गीत-
   बीती विभावरी जाग री वे कुछ दिन कितने सुंदर थे
   अरुण यह मधुमय देश हमारा
   कविताएं : (आंसू से)
   इस करुणा कलित हृदय में ये सब स्फुलिंग हैं मेरी
   बुलबुले सिन्धु के फूटे जो घनीभूत पीड़ा थी
   झंझा झकोर गर्जन था शशि मुख पर घूंघट डाले
   बांधा था विधु को किसने मुख कमल समीप सजे थे
   प्रत्यावर्तन के पथ में सबका निचोड़ लेकर तुम
4. **सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'**
   गीत-
   (प्रिय) यामिनी जागी बांधो न नाव इस ठांव बन्धु
   स्नेह निर्झर बह गया है

कविताएं-

भिक्षुक तोड़ती पत्थर

5. **नरेन्द्र शर्मा**

गीत-

तुम्हें याद है क्या उस दिन की सूरज डूब गया बल्ली भर कब मिलेंगे

6. **त्रिलोचन शास्त्री**

दिन ये फूल के हैं ताप के ताये हुए दिन क्षण की खिड़की

इकाई 2 **आधुनिक कविता का विकास**

भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता

(उपर्युक्त काव्य-प्रवृत्तियों का ज्ञान)

इकाई 3 **मैथिलीशरण गुप्त एवं रामनरेश त्रिपाठी कीकाव्यगत विशेषताएं**

(द्विवेदीयुगीन कविता तथा मैथिलीशरण गुप्त एवं रामनरेश त्रिपाठी की कविताएं)

इकाई 4 **जयशंकर प्रसाद और सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की काव्यगत विशेषताएं**

(छायावादी कविता का स्वरूप और जयशंकर प्रसाद तथा निराला की कविताएं)

इकाई 5 **नरेन्द्र शर्मा और त्रिलोचन शास्त्री की काव्यगत विशेषताएं**

(प्रगतिवाद और नरेन्द्र शर्मा तथा त्रिलोचन शास्त्री की कविताएं)

अनुमोदित ग्रंथ

1. आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियां	नामवर सिंह
2. आधुनिक हिन्दी कविता (भाग-1 एवं 2)	विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
3. हिन्दी साहित्यः बीसवीं शताब्दी	नन्ददुलारे वाजपेयी
4. आधुनिक हिन्दी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियां	डॉ. नगेन्द्र

पाठ्यक्रम 5 कथेतर गद्य विधाएं पूर्णांक- 100

इकाई 1 **कथेतर गद्य विधाओं का विकास**

कथेतर गद्य का स्वरूप

हिन्दी के आरम्भिक कथेतर गद्य

हिन्दी के कथेतर गद्य का वर्तमान परिदृश्य

इकाई 2 **विविध गद्य विधाओं का परिचय**

रिपोर्ताज, व्यंग्य, रेखाचित्र, संस्मरण, पत्र साहित्य

आत्मकथा, जीवनी, यात्रावृत्तांत, डायरी, निबंध

इकाई 3 **निर्धारित पाठ**

जीवनी	अखबार निकालने की धुन (कलम का सिपाही-14)	अमृत राय
रेखाचित्र	दिल्ली : रात की बाहों में	मोहन राकेश
यात्रा वृत्तांत	महेश्वर से चौबीस अवतार: ओंकारेश्वर (सौंदर्य की नदी नर्मदा)	अमृतलालबेगड़
आत्मकथा	मुर्दहिया तथा स्कूली जीवन (मुर्दहिया : पृ. 22-36 तक)	तुलसीराम
रिपोर्ताज	एकलव्य के नोट्स	फणीश्वरनाथरेणु

इकाई 4 **निर्धारित पाठ**

संस्मरण	ठकुरी बाबा	महादेवी वर्मा
व्यंग्य	सदाचार की तावीज़	हरिशंकर परसाई
पत्र	कविता में यथार्थवाद	केदारनाथ अग्रवाल, रामविलास शर्मा

डायरी	यह मौसम नहीं आएगा फिर	निर्मल वर्मा
निबंध	नाखून क्यों बढ़ते हैं	हजारीप्रसाद f}onh

इकाई 5 उपर्युक्त तीनों इकाइयों से टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी।

अनुमोदित ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास	रामचंद्र शुक्ल
2. साहित्य सहचर	हजारीप्रसाद f}onh
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य	लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
4. हिन्दी का गद्य साहित्य	रामचंद्र तिवारी
5. आधुनिक साहित्य	नंददुलारे वाजपेयी
6. हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास	विजयेन्द्र स्नातक
7. साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएँ	कैलाशचंद भाटिया
8. आधुनिक साहित्य का इतिहास	बच्चन सिंह

हिन्दू धर्म-शास्त्र

प्रश्नपत्र **हिन्दू धर्म शास्त्र** **पूर्णांक : 100**

इकाई 1 **हिन्दू धर्म-ग्रंथों का सामान्य परिचय**
वेद, वेदांग
उपनिषद, पुराण, स्मृति

इकाई 2 रामायण, महाभारत-संस्कृति और समाज
गीता-दर्शन और आधुनिक युग में उसकी उपादेयता

इकाई 3 भारतीय दर्शन-परिभाषा, आस्तिक, नास्तिक दर्शन (संक्षिप्त परिचय)
वेदांत की शाखाएँ

इकाई 4 **भक्ति आन्दोलन और धार्मिक मान्यताओं पर उसका प्रभाव**
सूफ़ी सिद्धांत और भक्ति-धार्मिक एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान
बौद्ध, जैन और सिक्ख धर्म की मुख्य मान्यताएँ

इकाई 5 **आधुनिक कालीन समाज सुधार आन्दोलन एवं सुधारक**
ब्रह्म समाज, प्रार्थना समाज, आर्य समाज
स्वामी विवेकानन्द, स्वामी रामतीर्थ, रामकृष्ण परमहंस, महात्मा गांधी, नारायण गुरू
धर्म और आधुनिक समाज

(प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है।)

संदर्भ ग्रंथ:

1. विश्व धर्म दर्शन	सांवलिया बिहारीलाल वर्मा
2. भारतीय संस्कृति की कहानी	भगवद्शरण उपाध्याय
3. संस्कृति के चार अध्याय	रामधारी सिंह 'दिनकर'
4. तसव्वुफ़ अथवा सूफ़ीमत	चन्द्रबली पाण्डेय
5. भक्ति काव्य की भूमिका	प्रेमशंकर
6. भक्ति आंदोलन और लोकजीवन	शिवकुमार
7. History of Indian Philosophy	Vol I, II Dr. S. Radhakrishanan
8. Ramayana	C. Lal
9. Mahabharta	C. Lal
10. Indian Philosophy	Dr. R. N. Sharma
11. Religion & Philosophy	Dr. Vatsyayana